


1710-19

जारी जैजापी के अधिकार को बार-बार रुक-काठ कर
अंगबाज दिपकापी गकि पल्लु अघालत जे सैदी भी उपदिप
नदी हुये है। अतः उपरी गण का बाधना-प्र अघालि
निसे धान्न अघय घाजरी ज्वै अघय फेरी ववात लवाने के
आभाव में खारिज किया जाता है। अकरण के जिन सुप
घबर लाने से कम है अणबाद अमिफ अविषह लव
गज्जर छे अ घुलबाद के निपन है।


उप खण्ड अधिकारी
दौसा (राजन)